क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 58, शनिवार, 23 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लोकसभा चुनाव : भाजपा ने जारी की पांच सीटों पर उम्मीदवारों की सूची

जम्मू । जम्मू कश्मीर की लोकसभा सीटों के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के पत्ते खोल दिये हैं। यह सूची नई दिल्ली में बैठी हाई कमान ने जारी की है। पार्टी इस बार भी कठुआ-उधमपुर-डोडा सीट से डा जतिन्द्र सिंह को मौका दे रही है। सिंह ने इस सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद को भारी मतों से हराया था। श्रीनगर से खालिद जहांगीर संसद चुनाव लड़ेंगे जबकि बारामूला से एम एम वार मैदान में उतरेंगे। अनंतनाग की हॉट सीट से एमएलसी सोफी युसूफ को मौका दिया जा रहा है। लद्दाख की सीट का फैसला फिलहाल नहीं हो पाया है। जतिन्द्र सिंह अपनी सीट के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल करेंगे। इस मौके पर रेलवे मंत्री पियूष गोयल भी जम्मू आएंगे।

उमा भारती का ऐलान, नहीं लड़ेंगीं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने शुक्रवार को कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी क्योंकि उनकी मई से 18 माह तक तीर्थयात्रा पर जाने की योजना है। उमा ने इन खबरों को खारिज कर दिया कि वह झांसी से नहीं बल्कि किसी सुरक्षित सीट से लडना चाहती हैं। उमा ने कहा कि उन्होंने 2016 में ही तय कर लिया था कि वह इस बार आम चुनाव चुनाव नहीं लड़ेंगी। 59 वर्षीय उमा ने पीटीआई को बताया ''मैंने 2016 में कहा था कि मैं चुनाव नहीं लडूंगी क्योंकि मुझे गंगा के तटों पर बसे तीर्थस्थानों पर जाना है। अगर मैं चुनाव लड़ती तो मैं झांसी से ही लड़ती। मैं अपना निर्वाचन क्षेत्र कभी नहीं बदल सकती। वहां के लोगों को मुझ पर गर्व है और वह मुझे अपनी बेटी जैसा मानते हैं।'' उमा ने यह भी कहा कि वह 2024 का चुनाव लड़ेंगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ''शानदार बहुमत'' हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने आगामी चुनाव न लडने के अपने फैसले से भाजपा महासचिव (संगठन) रामलाल को अवगत करा दिया था। रामलाल ने उनसे तीर्थयात्रा के लिए जाने से पहले पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने को कहा था। उमा ने कहा कि वह पांच मई तक भाजपा के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा ''पार्टी ने मुझे मुख्यमंत्री पद से ले कर कैबिनेट मंत्री के पद तक बहुत कुछ दिया है। मैंने भाजपा के अध्यक्ष पद को छोड़ कर लगभग सभी संगठनात्मक दायित्व संभाले हैं। यह मेरा दायित्व है कि पार्टी को शिंमन्दा न होने दूं। मैं पांच मई तक चुनाव प्रचार करूंगी।'' मैंने भाजपा के अध्यक्ष पद को छोड़ कर लगभग सभी संगठनात्मक दायित्व संभाले हैं। यह मेरा दायित्व है कि पार्टी को शिंमन्दा न होने दूं। मैं पांच मई तक चुनाव प्रचार करूंगी।''

कैंडिडेट लिस्ट

कैंडिडेट लिस्ट : बसपा ने भी खोले पत्ते, कांग्रेस को लग सकता है तगड़ा झटका

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए 11 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया। नगीना सीट से गिरीश चंद्र को मैदान में उतारा गया है। पहले चर्चा थी कि मायावती नगीना से चुनाव लड़ेंगी लेकिन बाद में उन्होंने चुनाव न लडने का ऐलान कर दिया। गौतमबुद्धनगर सीट से सतबीर नागर को टिकट दिया गया है। यहां बीजेपी ने पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा को उतारा है। इनके अलावा बीएसपी ने सहारनपुर से हाजी फजलुर्रहमान, बिजनौर से मलूक नागर, अमरोहा से दानिश अली, मेरठ से हाजी मोहम्मद याकूब, बुलंदशहर की सुरक्षित सीट से योगश वर्मा, अलीगढ़ से अजित बालियान, आगरा सुरक्षित सीट से मनोज कुमार सोनी, फतेहपुर सीकरी से राजवीर सिंह और आंवला से रुचि वीरा को टिकट दिया गया है। इसी बीच खबर आई है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। कांग्रेस नेता जितिन प्रसाद आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने जितिन प्रसाद को लखनऊ से चुनाव लड़ाना चाहती है, जिससे वह नाखुश हैं। जितिन प्रसाद धौरहरा से सांसद लड़ चुके हैं। हालांकि कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला जितिन प्रसाद के भाजपा में जाने की मीडिया रिपोर्टस को बकवास करार दिया है। बीजेपी ने अभी तक धौरहरा सीट से अपना उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। इसके साथ ही स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी गई है। बसपा प्रमुख ने अपने भतीजे आकाश आनंद को भी स्टार प्रचारक बनाया है। आकाश युवा चेहरा हैं और वे पार्टी से नौजवानों को जोडने का काम करेंगे। आकाश मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। लंदन से एमबीए करने वाले आकाश को मायावती ने 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हारने के बाद सहारनपुर की रैली में सुनियोजित तरीके से लांच किया था। आकाश मायावती के साथ पार्टी की बैठकों भी नजर आते हैं। बताया जा रहा है कि मायावती का सोशल मीडिया खाता इन्हीं की देख-रेख चलाया जा रहा है।

पहले चरण के लिए बनाए गए स्टार प्रचारकों में मायावती, सतीश चंद्र मिश्रा,आकाश आनंद, आर.एस कुशवाहा, समसुद्दीन राईन, राजकुमार गौतम, नरेश गौतम, सुरेश कश्यप, महिपाल सिंह माजरा, जनेश्वर प्रसाद, राजकुमार, प्रेमचंद्र गौतम, सतपाल पीपला, कमल सिंह राज, मुरारी लाल केन, दिनेश काजीपुर, रवि जाटव, रणविजय सिंह और पूजन प्रसाद शामिल हैं।

बिहार में महागठबंधन ने किया सीट बंटवारा, राजद 20 तो कांग्रेस 9 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पटना । भाजपा द्वारा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के अगले ही दिन बिहार में महागठबंधन की सीटों की तस्वीर साफ हो गई है। महागठबंधन में राजद को 20 सीटें तो कांग्रेस को 9 सीटें दी गईं हैं। सीपीआईएमएल को राजद ने अपने खाते से एक सीट दी है। सीट बंटवारे के बारे में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राजद प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि महागठबंधन में बिहार की 40 लोकसभा सीटों में आरजेडी को 20, कांग्रेस को 9, आरएलएसपी को 5, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) 3, वीआईपी 3, सीपीआईएमएल को आरजेडी कोटे से एक सीट दी गई है। इनमें संसदीय क्षेत्र गया से हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के जीतन राम मांझी चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। वहीं नवादा में राजद की ओर से विभा देवी को उम्मीदवार बनाया गया है। जमुई लोकसभा सीट में आरएलएसपी के भूदेव चौधरी को प्रत्याशी घोषित किया गया है। महागठबंधन की प्रेस कांफ्रेंस से पहले राबड़ी देवी के आवास पर सभी दलों के नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें सीटों के मामले पर मंथन किया गया। उसके बाद लोग प्रेस कांफ्रेंस में बड़े नेताओं का इंतजार करते रहे, क्योंकि पहले से उम्मीद जताई जा रही थी कि तेजस्वी यादव सहित गठबंधन के बड़े नेता भी प्रेस कांफेंस में पहुंचेंगे। लेकिन बस सभी दलों के प्रदेश अध्यक्ष होटल मौर्या पहुंचे और फिर प्रेस कांफ्रेंस में देरी होने को लेकर माफी मांगी और फिर राजद के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र पूर्वे ने सीट शेयरिंग के फॉर्मूले को मीडिया के सामने रखा। आपको बता दें कि बिहार की दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर भी प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया गया है। यहां नवादा से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के धीरेंद्र कुमार सिंह और डेहरी से आरजेडी कैंडिडेट मोहम्मद फिरोज हुसैन चुनावी मैदान में उतरेंगे

गडकरी ने पार्टी के फैसले का किया बचाव, बोले- 90 के हुए आडवाणी, पार्टी ने दूसरे लोगों को दिया मौका

नेशनल डेस्क। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक बार फिर नागपुर से टिकट दिया है। इस मौके पर नितिन गडकरी ने कहा कि वह इस बार पिछली बार से ज्यादा मतों से विजयी होकर आएंगे। चुनाव के लिए वह तैयार हैं। पिछली बार वह तीन लाख से जीते थे और इस बार उन्होंने पांच लाख वोटों से जीतने का दावा किया है। गडकरी ने कहा कि पिछले पांच साल में मोदी सरकार ने जो विकास कार्य किए हैं। उसी के आधार पर वह जनता के बीच जाएंगे। मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ लोगों का विकास किया है। यही हमारा मुख्य मुद्दा होगा। आडवाणी की जगह गांधीनगर से अमित शाह को टिकट दिए जाने पर नितिन गडकरी ने पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आडवाणी थी हमारे मार्गदर्शक थे, मार्गदर्शक हैं। वह हमारी पार्टी के सीनियर नेता हैं। पार्टी उनका सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी की उम्र 90 साल की हो गई है। ऐसे में पार्टी ने दूसरे लोगों को मौका दिया है। हमारे अध्यक्ष अमित शाह वहां से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन पार्टी आडवाणी जी का पूरा सम्मान करती है। अटल-आडवाणी युग की समाप्ति पर गडकरी ने कहा कि युग समाप्ति की बात नहीं है। पार्टी आगे बढ़ती रहती है। लेकिन हमारे जो सीनियर नेता होते हैं, उनका सम्मान हमेशा बना रहता है। उन्होंने कहा कि चाहे महागठबंधन कितना कुछ कर लें, कितना भी इकट्ठा हो जाएं, लेकिन नरेंद्र मोदी दोबारा पिछली बार से ज्यादा सीटें लेकर सरकार बनाएंगे। पूरे देश की जनता का विश्वास नरेंद्र मोदी में है। उन्होंने जो काम किये हैं, जो विकास किया है। उसको देखते हुए जनता दोबारा मोदी के नेतृत्व में विश्वास जताएगी। हमें पूरा विश्वास है कि दोबारा नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे। तांकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के रानीतिकरण पर नितिन गडकरी ने कहा कि इसका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए।

भाजपा ने राजस्थान में चौदह सांसदों पर फिर दांव खेला

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी सत्रहवीं लोकसभा चुनाव में चार केन्द्रीय मंत्रियों सहित मौजूदा चौदह सांसदों पर फिर दांव खेला है। भाजपा ने चुनाव के लिए गुरुवार को राजस्थान में पच्चीस सीटों में से सोलह पर अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी, जिसमें चार केन्द्रीय मंत्रियों सहित चौदह सांसदों तथा दो विधायकों को चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी ने केन्द्रीय जल संसाधन राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को बीकानेर, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री गजेन्द्र सिंह को जोधपुर, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को जयपुर ग्रामीण एवं केन्द्रीय विधि राज्य मंत्री पी पी चौधरी को पाली संसदीय क्षेत्र से एक बार फिर अपना उम्मीदवार बनाकर भरोसा जताया है। सूची में जिन सांसदों पर फिर भरोसा जताया है उनमें झालावाड़ संसदीय क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह, जयपुर से रामचरण बोहरा, श्रीगंगानगर से निहालचंद, सीकर से सुमेधानंद सरस्वती, टोंक-सवाईमाधोपुर से सुखबीर सिंह जौनपुरिया, जालोर से देवजी एम पटेल, उदयपुर से अर्जुनलाल मीणा, चित्तौडगढ़ से सी पी जोशी, भीलवाड़ा से सुभाष चंद्र, कोटा से ओम बिड़ला शामिल है जबकि झुंझनूं से मौजूदा सांसद संतोष अहलावत को फिर से उम्मीदवार नहीं बनाया गया है। जिनमें झुंझुनूं से अहलावत का टिकट काटकर मंडावा से विधायक नरेन्द्र कुमार खींचड़ को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि अजमेर से विधायक भागीरथ चौधरी पर दांव खेला है। पहली सूची में बनाये गए उम्मीदवारों में निहालचंद गंगानगर से वर्ष 1996, 1999, 2004 एवं 2014 में सांसद बने और पांचवीं बार सांसद बनने के लिए चुनाव मैदान में उतरे है।

येदियुरप्पा ने भाजपा नेतृत्व को 1800 करोड़ रुपए की रिश्वत दी, लोकपाल करे जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहते हुए बी एस येदियुरप्पा ने भाजपा के शीर्ष नेताओं को 1800 करोड़ रुपए की रिश्वत दी जिसकी जांच लोकपाल से होनी चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि मोदी को इस मामले में तत्काल जवाब देना चाहिए। कांग्रेस के इस आरोप पर फिलहाल भाजपा की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सुरजेवाला ने एक पत्रिका में छपी खबर का हवाला दिया और कहा,'येदियुरप्पा की डायरी के रूप में खबर सामने है। हमने भी 14 फरवरी, 2017 को येदियुरप्पा और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार की बातचीत वाला एक वीडियो जारी किया था जिसमें स्पष्ट था कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को रिश्वत दी गई।' उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री रहने के दौरान 2690 करोड़ रुपए वसूले गए और इसमें से 1800 करोड़ रुपए भाजपा नेतृत्व को पहुंचाए गए। कांग्रेस नेता ने सवाल किया,'क्या यह सच नहीं है कि येदियुरप्पा की तरफ से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पैसे दिए गए? जब आयकर विभाग ने इस डायरी की जांच की अनुशंसा की थी तो फिर कोई कदम क्यों नहीं उठाया गया?' उन्होंने कहा, 'इस मामले में प्रधानमंत्री सहित संपूर्ण भाजपा नेतृत्व के खिलाफ जांच होनी चाहिए। यह लोकपाल के तहत जांच का मामला बनता है।

एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाना एक तरह से सुरक्षाबलों का मनोबल गिराना

कठुआ । केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा एयर स्ट्राइक को लेकर उठाए गए सवालों की आलोचना की है। कठुआ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि देश, सुरक्षाबलों को लेकर इस तरह की बयानबाजी एक तरह से देश और सुरक्षाबलों के विरुद्ध है। यह पूरे देश के लिए शर्मनाक है और ऐसी विवादित बयानों को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी को राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए। पूरे देश का सिर शर्म से झुक चुका है। कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी के निजी सहयोगी प्रिय मागदर्शक जो उनके संकल्प पत्र भी बना रहे हैं, उन्हें देश और विदेश में घूमा रहे हैं। लोगों से मिलवा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और उनकी सोच का पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि भारत के उस वीर सिपाही का अपमान किया गया है। जिसने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने रामगोपाल द्वारा भी दिए गए बयानों का विरोध करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाजी एक तरह से सुरक्षाबलों का मनोबल तोडने के समान है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से कहा कि उन्हें अपने प्रिय मागदर्शक के इस तरह के विवादित बयानों का खंडन करना चाहिए।

जेटली का पित्रोदा-राहुल पर तंज- अगर गुरु ऐसा है तो शिष्य कैसा होगा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविर पर भारतीय वायु सेना की कार्रवाई के बारे में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि जो लोग देश की सुरक्षा और लोगों के जज्बात नहीं समझते वही इस प्रकार के बयान देते हैं। वित्त मंत्री जेटली ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं के एक सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा ' जिसका गुरु ऐसा है उसका शिष्य कैसा होगा। ' उन्होंने कहा कि देश तीन दशक से आतंकवाद का मुकाबला कर रहा और मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर नीति बदली है। पहले हम पाकिस्तान की सीमा से आने वाले आतंकवादियों को रोकते थे फिर भी साल में एक दो घटनायें हो जाती थी । अब जहां आतंकवादी है वहीं हम जाते हैं। जेटली ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ पहले सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा की घटना के बाद एयर स्ट्राइक बेहद सफल रहे और इसमें शामिल सभी सुरक्षाकर्मी सुरक्षित रहे। इन दोनों अभियानों में जरुरत के हिसाब से केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया । इसका पूरी दुनिया ने समर्थन किया यहां तक कि मुस्लिम देशों के संगठन ने भी इसका विरोध नहीं किया । जेटली ने कहा '' मैच फ्रंट फुट पर रह कर जीता जाता है बैक पुट पर नहीं। कांग्रेस के किसी नेता ने पहली बार ऐसा बयान नहीं दिया है बल्कि बार बार इस प्रकार के बयान आ रहे हैं। '

सरगुजा में 15 साल से छाया भाजपा का जादू

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ में सरगुजा लोकसभा सीट पर पिछले 15 साल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का जादू छाया हुआ लेकिन इस बार कांग्रेस उसके तीन बार की जीत के तिलिस्म को तोड़ने में कृत-संकल्पित नजर आ रहा है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सरगुजा, अंबिकापुर कांग्रेस के कद्दावर नेता टी एस सिंहदेव का गढ़ है। गत नवंबर में हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटें जीत ली। कांग्रेस की इस जीत में सिंहदेव का चुनावी व्यूह-प्रबंधन और रणनीति कारगर रही। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सफलता के मद्देनजर अब आसन्न लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की पेशानी पर बल नजर आने लगे हैं। भौगोलिक नक्शे में सरगुजा संभागीय और जिला मुख्यालय अंबिकापुर है। यहां के पूरे भू-भाग को ही सरगुजा कहा जाता है। सरगुजा लोकसभा सीट के रुप में अस्तित्व आने के प्रारंभिक समय से 20 साल तक यहां कांग्रेस का कब्जा रहा है । वर्ष 1951 में पहला आम चुनाव हुआ । इस चुनाव में कांग्रेस के सी एस सिंहदेव और बाबूनाथ सिंह दोनों ही सांसद निर्वाचित हुए। इसके बाद 1957 के लोकसभा चुनाव में भी यही पुनरावृत्ति हुई । वर्ष 1962, 1967 और 1971 में हुए आम चुनावों में कांग्रेस ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। कांग्रेस को 1977 में आपातकाल-विरोधी लहर का खामियाजा भुगतना पड़ा और यह सीट उसके हाथ से निकल गयी। जनता पार्टी के लरंगसाय ने यह चुनाव जीता। इसके बाद से यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच शह और मात का सिलसिला चला । वर्ष 1980 में कांग्रेस ने सरगुजा सीट हथिया ली और 1984 में भी अपना कब्जा बरकरार रखा। लरंगसाय ने 1989 में एक बार फिर जीत हासिल कर यह सीट भाजपा की झोली में डाली। कांग्रेस ने 1991 में लरंगसाय के खिलाफ खेलसाय सिंह को चुनाव में उतारा । खेलसाय सिंह इस चुनाव में विजयी रहे । उन्होंने 1996 के चुनाव में जीत दोहराई। वर्ष 1998 में भी यी दोनों प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने थे और लरंगसाय चुनाव जीते लेकिन 1999 में खेलसाय ने उन्हें परास्त कर दिया। वर्ष 2004 में भाजपा ने फिर बाजी पलट दी और उसके बाद 2009 और 2014 के चुनाव में लगातार जीत की हैट्रिक बनायी। भाजपा के कमलभान सिंह मराबी सरगुजा से मौजूदा सांसद है। इस बार के चुनाव में सरगुजा सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा में कांग्रेस आगे रही ।

क्रांति समय

सुविचार श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी-बूटियां हैं कि जो एक बार घोल कर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है -अमृतलाल नागर

संपादकीय

घोटालेबाज बख्शे नहीं जाएंगे

लंदन में नीरव मोदी की गिरफ्तारी की खबर उन सबको राहत देने वाली है जो पंजाब नेशनल बैंक के हजारों करोड़ रुपये हड़पने वाले इस शातिर कारोबारी पर शिकंजा कसता हुआ देखना चाह रहे थे। नीरव की गिरफ्तारी मोदी सरकार को राजनीतिक तौर पर राहत देने के साथ ही उसके इस दावे को दमदार साबित करने भी वाली है कि उसके जैसे घोटालेबाज बख्शे नहीं जाएंगे। अब भाजपा अपने राजनीतिक विरोधियों के उन तानों का जवाब दे सकती है जो उसे नीरव मोदी के कारण सुनने पड़ रहे थे। इस सबके बावजूद अभी यह नहीं कहा जा सकता कि भारत सरकार से बचते फिर रहे नीरव मोदी को देश लाने में सफलता कब मिलेगी। हालांकि लंदन की अदालत ने उसे जिस तरह करीब दस दिन के लिए जेल भेज दिया उससे यह लगता है कि उस पर लगे आरोप गंभीर पाए गए हैं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि वांछित तत्वों का ब्रिटेन से प्रत्यर्पण मुश्किल से ही हो पाता है। वहां की अदालतों के रुख-रवैये और आपराधिक आरोपों से घिरे लोगों के मानवाधिकारों की जरूरत से ज्यादा चिंता किए जाने के कारण न जाने कितने वांछित तत्व वहां डेरा डाले हुए हैं। आखिर यह एक तथ्य है कि विजय माल्या को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है। जब तक ब्रिटेन यह समझने के लिए तैयार नहीं होता कि वह गंभीर आरोपों से घिरे लोगों के प्रति अनावश्यक नरमी दिखाकर अपना भला नहीं कर रहा है तब तक इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि भारत में वांछित तत्वों के प्रत्यर्पण के लिए उस पर हर संभव दबाव बनाया जाए। नीरव मोदी की गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों की सक्रियता का प्रमाण है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि उसकी घेरेबंदी इसलिए हो सकी, क्योंकि लंदन के एक अखबार ने उसे खोज निकाला था। अगर इस अखबार ने उसे नहीं खोजा निकाला होता तो शायद वह कुछ और समय तक चकमा देता रहता। हैरत नहीं कि इस अखबार के कारण ही ब्रिटिश एजेंसियों की नींद टूटी हो। जो भी हो, भारतीय एजेंसियों को इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि नीरव मोदी को जमानत न मिलने पाए और उसके प्रत्यर्पण की कार्रवाई तेजी से आगे बढ़े। नीरव मोदी की गिरफ्तारी ने उसके घोटालेबाज सहयोगी मेहुल चोकसी की याद ताजा कर दी है, जो कैरेबियाई देश एंटीगुआ में छिपा हुआ है। हालांकि भारतीय नागरिकता छोड़ने के बाद भी उसकी मुश्किलें कम नहीं हुई हैं, लेकिन इतना तो है ही कि उसके बारे में भी यह कहना कठिन है कि उसे स्वदेश कब लाया जा सकेगा? ऐसी मुश्किलों को देखते हुए आवश्यक केवल यह नहीं है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी यह मुहिम और तेज करे कि आर्थिक भगोड़ों को कहीं पर भी शरण न मिले, बल्कि यह भी है कि उनकी विदेश स्थित संपत्तियां कहीं अधिक आसानी से जब्त करने के प्रावधान बनें। इस सबके साथ इसके प्रति भी सतर्कता बरतनी होगी कि संदिग्ध किस्म के कारोबारियों को बेजा तरीके से कर्ज न मिलने पाए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि चाहे विजय माल्या हों या फिर नीरव मोदी, इन सबने अनुचित तरीके से ही कर्ज हासिल किया।

ऐसी मुश्किलों को देखते हुए आवश्यक केवल यह नहीं है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी यह मुहिम और तेज करे कि आर्थिक भगोड़ों को कहीं पर भी शरण न मिले, बल्कि यह भी है कि उनकी विदेश स्थित संपत्तियां कहीं अधिक आसानी से जब्त करने के प्रावधान बनें।

आज के ट्वीट

मुरीद

चाहे किसान हों या निजी क्षेत्र, मैं उन्हें राहत पैकेज देने की मुरीद नहीं हूं। मैं वामदलों के सामने कुछ तय रखूंगी। निजी क्षेत्र की मदद से किसानों ने अपनी हालत बताने के लिए पूरे देश में सैकड़ों किलोमीटर की दूरियां तय कीं। इतनी जहमत उठा कर भी वह सरकारी अधिकारियों तक से मिल सकें।

रूपा सुब्रह्मणयम, अर्थशास्त्री

बोधि वृक्ष

नारी का वर्चस्व

श्रीराम शर्मा आचार्य

नर और नारी यों दोनों ही भगवान की दाई-बाई आंख, दाई बाई भुजा के समान हैं। उनका स्तर, मूल्य, उपयोग, कर्त्तव्य, अधिकार पूर्णत- समान है। फिर भी उनमें भावनात्मक दृष्टि से कुछ भौतिक विशेषताएं हैं। नर की प्रकृति में परिश्रम, उपार्जन, संघर्ष, कठोरता जैसे गुणों की विशेषता है; वह बुद्धि और कर्म प्रधान है । नारी में कला, लज्जा, शालीनता, स्नेह, ममता जैसे गुण हैं; वह भाव और सृजन प्रधान है। यह दोनों ही गुण अपने-अपने स्थान पर महत्त्वपूर्ण हैं। उनका समन्वय ही एक पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करता है। सामयिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नर और नारी की इन विशेषताओं का उपयोग किया जाता है। युद्ध कौशल में पुरु ष की प्रकृति ही उपयुक्त थी सो उसे आगे रहना पड़ा । जो वर्ग आगे रहता है, नेतृत्व भी उसी के हाथ में आ जाता है । जो वर्ग पीछे रहते हैं उन्हें अनुगमन करना पड़ता है। परिस्थितियों ने नर-नारी के समान स्तर को छोटा-बड़ा कर दिया, पुरु ष को प्रभुता मिली-नारी उसकी अनुचरी बन गई। जहां प्रेम सद्भाव की स्थिति थी, वहां वह उस आधार पर हुआ और जहां दबाव और विवशता की स्थिति थी वहां दमनपूर्वक किया गया। दोनों ही परिस्थितियों में पुरु ष आगे रहा और नारी पीछे । नये युग के लिए हमें नई नारी का सृजन करना होगा, जो विश्व के भावनात्मक क्षेत्र को अपने मजबूत हाथों में सम्भाल सके और अपनी स्वाभाविक महत्ता का लाभ समस्त संसार को देकर नारकीय दावानल में जलने वाले कोटि-कोटि नर-पशुओं को नर-नारायण के रूप में परिणत करना सम्भव करके दिखा सकें। नारी के उत्कर्ष-वर्चस्व को बढ़ाकर उसे नेतृत्व का उत्तरदायित्व जैसे-जैसे सौंपा जाएगा वैसे-वैसे विश्व शांति की घड़ी निकट आती जाएगी। जिन नारियों को हम माता, पत्नी, बहन या पुत्री के रूप में प्यार करते हैं, जिन्हें सुखी बनाने की कुछ चिंता करते हैं, उनके लिए रुढ़िवादी मान्यताओं द्वारा हम अपकार भी पूरा-पूरा करते है। किसी स्त्री का जब सूर्य अस्त हो जाता है और घर की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं होती तो उस बेचारी पर कैसी बीतती है इसे हममें से हर कोई जानता है। पर्दा प्रथा के कारण जो नारी बाजार से साग खरीदकर लाना भी नहीं सीख सकी, किसी के बात करना भी जिसे नहीं आता वह मुसीबत के समय पति या बच्चों के लिए दवा खरीदने या चिकित्सक को बुलाकर लाने में भी समर्थ नहीं हो सकती।

सियासी दांव पेंच

प्रदीप सिंह

लोकसभा चुनाव सामने है, लेकिन कांग्रेस की दुविधा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस तय नहीं कर पा रही है कि वह मोदी सरकार को हराने के लिए सब कुछ दांव पर लगाए या पार्टी के पुनरुद्धार की कोशिश करे। नरेंद्र मोदी पर आक्रमण के लिए उसने ऐसा मुद्दा चुना जो मोदी की सबसे बड़ी ताकत है। मोदी में तमाम कमियां खोजी जा सकती हैं, लेकिन शायद ही कोई मानने को तैयार होगा कि मोदी भ्रष्ट हैं। पहले चरण के मतदान में सिर्फ तीन हफ्ते रह गए हैं, लेकिन न तो मोदी के विरोध में बनने वाले 21 दलों के महागठबंधन का कहीं पता है और न ही न्यूनतम साझा कार्यक्रम का। हाल यह है कि विपक्षी दल भाजपा पर जितना हमला कर रहे हैं उससे ज्यादा एक-दूसरे के प्रति आक्रामक हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस-जनता दल (एस) गठबंधन की सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर जो दृश्य दिखा था वह भारतीय जनता पार्टी के लिए चिंता का सबब हो सकता था, लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा में कम और विपक्षी खेमे में ज्यादा बदलाव आ गया। जो कांग्रेस कर्नाटक में बड़ी पार्टी होने के बावजूद छोटी पार्टी को मुख्यमंत्री पद देने को तैयार हो गई वह अब अपनी जमीनी हैसियत से ज्यादा सीटें मांग रही है। नतीजा यह हुआ कि कई राज्यों में उसके चुनावी गठबंधन अभी तक पुख्ता नहीं हुए हैं। कुछ राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में संभावित सहयोगियों ने पार्टी को किनारे कर दिया है। बिहार, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में गठबंधन की बात चल भी रही है और नहीं भी। महाराष्ट्र में कांग्रेस का एनसीपी से गठबंधन तो हो गया है, लेकिन कुछ सीटों पर पेच अभी फंसा हुआ है। ऐसे में इस बात की आशंका ज्यादा है कि कहीं उसका गठबंधन केमिस्ट्री बनने के बजाय अर्थमेटिक ही न रह जाए। कांग्रेस समझ नहीं पा रही है कि वह सब कुछ भूलकर पार्टी का जनाधार बढ़ाकर उसे पुनर्जीवित करने का प्रयास करे या किसी भी कीमत पर ऐसा गठबंधन बनाने का जिससे मोदी को हराया जा सके। मोदी को हराने में भी राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने की संभावनाएं तलाशने पर उसका ध्यान ज्यादा है। डर इस बात का है कि कहीं ऐसा न हो, 'दुविधा में दोनों गए-माया मिली न राम।' कांग्रेस की समस्या केवल गठबंधन के मोर्चे पर ही नहीं है। मुद्दों को लेकर कांग्रेस ज्यादा मुश्किल में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले के लिए राफेल सौदे का मुद्दा उठाकर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी सभाओं में 'चौकीदार चोर है' का नारा लगवाया। आरोप वाले नारे तब चिपकते हैं जब आरोपी व्यक्ति की वैसी छवि हो। तीन बार गुजरात का मुख्यमंत्री रहने और पांच साल प्रधानमंत्री रहने के बावजूद मोदी से हजार मुद्दों पर असहमत होने वाला भी मोदी को भ्रष्ट नहीं कह सकता। दरअसल ईमानदारी मोदी की सबसे बड़ी ताकत है। यह ताकत पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं के कहने या मोदी के दावे के कारण नहीं है। यह उनके दशकों के सार्वजनिक जीवन की वास्तविकता है। 17 साल से सत्ता में होने के बावजूद उनका परिवार किस हालत में है, यह किसी से छिपा नहीं है। अपनी इसी ईमानदारी की ताकत के बूते मोदी ने 'चौकीदार चौर है' के नारे का जवाब 'मैं भी चौकीदार' मुहिम से छेड़ दी। यह नारा सोशल मीडिया पर पहले दिन पूरी दुनिया में और भारत में दो दिन तक पहले नंबर पर ट्रेंड करता रहा। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी की दूसरी ताकत को भी हल्के में लिया। अपने ऊपर होने वाले वार को अवसर में बदलने की कला में मोदी को महारत हासिल है। कांग्रेस कैसे भूल सकती है कि मौत का सौदागर बोलकर सोनिया गांधी ने कैसे अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली थी। इसके अलावा मणिशंकर अय्यर ने चायवाला और प्रियंका गांधी ने नीच शब्द का इस्तेमाल किया तो मोदी ने उसको भी चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बना दिया। राजनीति में हमेशा यह याद रखना चाहिए कि अपने विरोधी की कमजोरी पर आक्रमण किया जाता है। नारे वही चलते हैं जिन्हें जनता सुनना चाहती है। 1971 में विपक्ष ने कहा, 'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ' और इंदिरा गांधी ने कहा, 'मैं कहती हूं गरीबी हटाओ, वे कहते हैं इंदिरा हटाओ।' देश के लोगों ने इंदिरा गांधी की सुनी। संजय गांधी के राजनीतिक प्रादुर्भाव के बाद उन्हीं इंदिरा गांधी के खिलाफ विपक्ष ने नारा लगाया, 'बेटा कार बनाता है, मां बेकार बनाती है।' इस बार विपक्ष का नारा चल गया। 2009 के आम चुनाव में लालकृष्ण आडवाणी ने मनमोहन सिंह को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री कहा। कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ, पर 2014 आते-आते लोग उनके खिलाफ सब कुछ सुनने को तैयार थे। संप्रग सरकार के तमाम घोटालों के बावजूद भाजपा ने इसका खयाल रखा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी पर सवाल न उठाए। प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस की नई स्टार कैंपेनर हैं। जनसंपर्क और राजनीतिक गतिविधि में वह राहुल गांधी से ज्यादा सहज नजर आती हैं। उनके महासचिव बनने की घोषणा 20 जनवरी को हुई और वह पहली बार लखनऊ 11 फरवरी को पहुंचीं। दो-तीन दिन रात-रात भर बैठक करके संदेश दिया कि काम बहुत ज्यादा है और समय कम, लेकिन वह 14 फरवरी को लखनऊ से निकलीं और फिर सीधे 18 मार्च को प्रयागराज पहुंचीं। इस दौरान उनके राजनीतिक क्रियाकलाप की कोई जानकारी नहीं है। जलमार्ग से जाने का विचार एक नया और अच्छा विचार था। इस कार्यक्रम के जरिये वह गईं तो कांग्रेस का प्रचार करने थीं, लेकिन अनजाने में मोदी सरकार के काम का भी प्रचार कर गईं। वह संगम के तट पहुंचीं और वहां गंगा जल से आचमन किया। इस तरह से पूरे देश को बता दिया कि मोदी सरकार की नमामि गंगे परियोजना ने इतनी प्रगति कर ली है कि प्रयाग में गंगा जल आचमन लायक हो गया है। प्रयागराज से वह फिर जलमार्ग से स्टीमर के जरिये यात्रा पर निकलीं। वही जलमार्ग जिसे मोदी सरकार ने बनवाया है और जिसके होने पर कांग्रेस के लोग सवाल उठाते रहते हैं। इसके बाद वह मोदी सरकार के बनवाए बनारस के सुंदर और स्वच्छ अस्सी घाट पर पहुंचीं और फिर कहा कि मोदी सरकार ने कोई काम नहीं किया है। एक बात तो माननी पड़ेगी कि सरकार का काम ही नहीं, भाग्य भी नरेंद्र मोदी का साथ दे रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें मुख्य विरोधी दल के नेता के रूप में भ्रष्टाचार से बजबजाती सरकार मिली थी। जिसके खिलाफ लोग कुछ भी सुनने को तैयार थे। पांच साल सत्ता में रहने के बाद उन्हें मुख्य विपक्षी दल के नेता के रूप में राहुल गांधी मिले हैं। जो विरोधी के खिलाफ गोल कम और सेल्फ गोल ज्यादा करते हैं। पिछले चुनाव में चाय वाला दस साल की सरकार पर भारी पड़ा था। ऐसा लगता है कि इस बार 'मैं भी चौकीदार' अभियान पांच साल की एंटी इन्कम्बेंसी पर भारी पड़ जाएगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

कूटनीति से चीन दबाव में

अवधेश कुमार

जिन नेताओं, पार्टियों और विश्लेषकों ने मसूद अजहर मामले पर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की, उनको चीन के बदले हुए स्वर से परेशानी हो रही होगी। भारत की कूटनीति से चीन दबाव में है और वह अकेला पड़ गया है। आखिर भारत में चीन के राजदूत लुओ झाओहुई ने यूं ही तो बयान नहीं दिया है कि मसूद अजहर से जुड़ा मसला बातचीत के जरिये जल्द हल कर लिया जाएगा। वस्तुत- मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव को वीटो द्वारा अड़ंगा लगाने के बाद जो स्थितियां बनीं, शायद चीन को उसका आभास नहीं था। इसके तुरंत बाद फ्रांस ने ऐलान कर दिया कि वह मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी मानकर जैश व मसूद की संपत्ति को जब्त करेगा। फ्रांस के गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि फ्रांस मसूद को यूरोपीय संघ की आतंकी सूची में शामिल करने को लेकर बात करेगा। यूरोपीय संघ में इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूरोपीय संघ में प्रतिबंधित होने का मतलब प्रमुख देशों के सबसे बड़े समूह द्वारा मसूद आतंकी घोषित कर दिया गया। उसके बाद दूसरे वैश्विक और क्षेत्रीय संगठनों द्वारा उसे वैश्विक आतंकी घोषित किया जा सकता है। सच यह है कि अड़ंगा डालकर चीन प्रमुख देशों के निशाने पर आ गया है। अमेरिका का कहना है कि यदि चीन इसी तरह अड़ंगा लगाता रहा तो सदस्य देशों को दूसरे विकल्प पर ध्यान देना पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति में होने वाला विचार-विमर्श गोपनीय होता है और इसलिए सदस्य देश सार्वजनिक रूप से इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। मीडिया में सदस्य देशों के राजनयिकों का जो बयान आया उसमें चीन के खिलाफ गुस्सा है। सुरक्षा परिषद के एक राजनयिक ने चीन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह इस कार्य में बाधा पैदा करना जारी रखता है तो जिम्मेदार सदस्य देश, सुरक्षा परिषद में अन्य कदम उठाने पर मजबूर हो सकते हैं। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य ब्रैड शेरमैन ने चीन के इस कदम को अस्वीकार्य करार दिया। उन्होंने चीन से अपील की है कि वह संयुक्त राष्ट्र को अजहर पर प्रतिबंध लगाने दे। अगर सुरक्षा परिषद के सदस्य देश ही चेतावनी दे रहे हैं कि चीन ने ऐसा करना जारी रखा तो उनके पास दूसरे रास्ते हैं तो भारत के लिए इससे बड़ा संबल और कुछ हो ही नहीं सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस तरह दुनिया के प्रमुख देश इस मामले में भारत के साथ खड़े हैं, उस तरह हमारे देश के अंदर एकजुटता नहीं रही। इस तथ्य को भुलाया गया कि इस बार सुरक्षा परिषद में भारत ने नहीं, बल्कि फ्रांस की अगुवाई में ब्रिटेन और अमेरिका ने मिलकर प्रस्ताव पेश किया था। परिषद के पांच में से तीन स्थायी सदस्य देशों का प्रस्ताव लाना, भारत की विश्वसनीयता और बढ़ी हुई अहमियत का परिचायक है। वैसे भी सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव खत्म नहीं हुआ है। चीन ने वीटो के प्रयोग से इस पर तकनीकी रोक लगाया है। मसूद अजहर को सुरक्षा परिषद द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की राह में पिछले दस वर्ष में चीन ने चौथी बार अड़ंगा लगाया है। चीन वर्ष 2009 में, फिर वर्ष 2016 और 2017 में भी मसूद को बचाने के लिए वीटो का इस्तेमाल कर चुका है। परिषद में चीन को छोड़कर सभी 14 सदस्यों ने इसका समर्थन किया था। ये देश भारत के साथ हैं तो इसका कारण भारतीय कूटनीति का प्रभाव ही है। आज स्थिति यह है कि भारत की शांत और आक्रामक कूटनीति के कारण फ्रांस, ब्रिटेन एवं अमेरिका चीन से बातचीत कर रहे हैं कि आपको समस्या क्या है? इस बातचीत का लक्ष्य एक ही है कि चीन उसे वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए तैयार हो जाए। चीन प्रस्ताव की भाषा को लेकर कुछ आपत्ति उठा रहा था तो उसे ठीक करने पर बात हो रही है। कहने का तात्पर्य यह कि चीन के पास इसमें विश्व समुदाय के साथ आने या फिर पाकिस्तान के लिए विश्व के प्रमुख देशों की नाराजगी झेलने का विकल्प है। भारत ने साफ कहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को जिस ढंग से पालता-पोसता और प्रायोजित करता है, वह चीन के लिए भी चिंता की बात होनी चाहिए। दुनिया में इस समय खुलकर मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने का विरोध करने वाला देश शायद ही कोई हो। चीन भी यह नहीं कह सका कि वह इसका विरोध कर रहा है। उसने कहा कि मसूद अजहर पर प्रतिबंध से पहले जांच के लिए समय चाहिए, ताकि सभी पक्ष ज्यादा बातचीत कर सकें और एक अंतिम निर्णय पर पहुंच सकें जो सभी को स्वीकार्य हो। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग ने कहा कि चीन इस मुद्दे को ठीक से संभालने के लिए भारत सहित सभी पक्षों से संवाद और समन्वय के लिए तैयार है। हालांकि उसके इस बयान का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि मसूद अजहर आतंकवादी है और वह भारत में पिछले 19 वर्षो से हमले करा रहा है जिसकी सप्रमाण जानकारी दुनिया को मिल गई है। चीन की अपनी दुर्नीति है। वह पाकिस्तान की पीठ पर खड़ा होकर एक साथ कई स्वार्थ साधने की रणनीति अपना रहा है। पाकिस्तान को उसने इतना ज्यादा कर्ज दे दिया है कि वह उसके चंगुल से आसानी से निकल नहीं सकता। चीन की सोच है कि भविष्य में पाकिस्तान पर कर्ज के एवज में शर्तो के अनुसार कार्रवाई की नौबत आए तो आतंकवादी संगठन उसका विरोध न करे। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को भी चीन आतंकी संगठनों के हमलों से सुरक्षित रखना चाहता है। अफगानिस्तान के तालिबान से अमेरिका पाकिस्तान के माध्यम से बातचीत कर रहा है। चीन मानता है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद वहां उसकी विस्तारित भूमिका में पाकिस्तान का साथ मिलने से विरोध या विद्रोह की स्थिति पैदा नहीं होगी। चीन अपने शिकियांग प्रांत में उइगुर मुस्लिमों को जिस तरह कुचल रहा है, वहां आतंकवाद का जिस क्रूरता से दमन कर रहा है, इससे जेहादी संगठनों में नाराजगी है। शायद यह नाराजगी न बढ़े, इसलिए भी वह ऐसा कर रहा है। लेकिन उसे यह समझना होगा कि जिस दिन भारत को उसके छिपे होने के जगह की पक्की सूचना मिल गई, उस दिन उसे खत्म कर दिया जाएगा, क्योंकि यह बदला हुआ भारत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सू-दोकू नवताल . 1381

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू 1380 का हल

3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1381

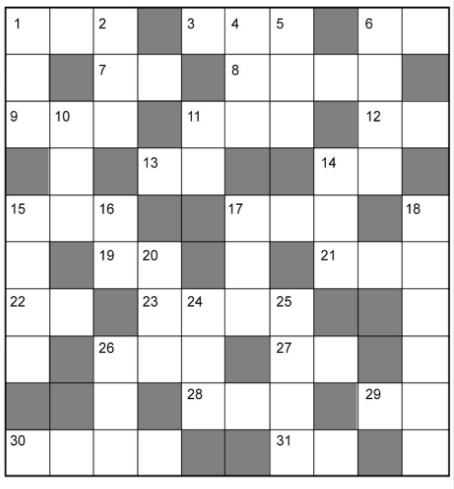

बायें से दायें:-

1. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-3
3. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-3
6. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-2
7. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-2
8. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-4
9. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
11. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-3
12. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-2
13. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-2
14. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
15. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-3
17. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-3
19. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-2
21. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-3
22. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-2
23. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-4
26. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-3
27. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-2
28. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-3
29. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-2
30. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-2,2
31. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-3
2. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-1,2
4. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-3
5. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-3
6. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-2,2
10. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-3
11. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
14. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-3
15. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-4
16. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-2
17. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-3
18. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-3,3
20. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-3
24. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
25. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-4
26. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-2,1

फिल्म वर्ग पहेली- 1380

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

अली फजल को निजी जिंदगी में प्यार का पर्दे पर मिला फायदा

मुंबई । यह एक सुखद संयोग है कि अभिनेता अली फजल ने अपनी पहली फुल रोमांटिक फिल्म मिलन टॉकीज ठीक ऐसे समय में की है जब अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के साथ प्रेम प्रसंग को लेकर वह सुर्खियों में बने रहते हैं। सफल डिजिटल सीरीज मिर्जापुर के दूसरे सीजन की तैयारी कर रहे अली ने स्वीकार किया कि वास्तविक जिंदगी में प्यार में होने से ऑनस्क्रीन का प्यार ज्यादा दिलचस्प बन जाता है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि प्यार को जिस नजरिए से आप देखते हैं तो वह उसे प्रभावित करता है। यह कैसे नहीं करेगा? लेकिन मिलन टॉकीज में प्यार को दर्शाने के लिए मैंने अपनी भावनाओं से कहीं ज्यादा भरोसा निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के मार्गदर्शन पर किया। उन्होंने कभी भी पूरी तरह से प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म नहीं बनाई थी और मैंने भी नहीं की थी। उन्होंने कहा, हमें मिलन टॉकीज जैसी विशुद्ध प्रेम कहानियां वास्तव में देखने को नहीं मिलतीं। इसमें फिल्मी प्रेम कहानी के हर रूप को दर्शाया है और फिर भी इस फिल्म में प्यार को लेकर एक ताजगी और नयापन है। अभिनेता ने कहा कि जिस तरह से हमने इस फिल्म में दिखाया है वैसे ही आजकल युवा जोड़े सेक्स के बारे में बात करते हैं और संबंध बनाते हैं। अली की झोली इस साल प्रोजेक्ट्स से भरी पड़ी है। वह मिर्जापुर के दूसरे सीजन में काम कर रहे हैं और एक नई फिल्म में भी काम कर रहे हैं जिसमें सैफ अली खान और फातिमा सना शेख भी हैं।

एक तरह के किरदार करना पसंद नहीं : रॉबर्ट पैटिंसन

लॉस एंजेलिस । अभिनेता रॉबर्ट पैटिंसन ने कहा कि उन्हें बार-बार एक ही तरह के किरदार निभाना पसंद नहीं है क्योंकि एक ही तरह का किरदार करते देख वह खुद ही अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने लगते हैं जिसके बाद उन्हें व्याकुलता होने लगती है। पैटिंसन ने लिटिल वाइट लाइज मैगजीन को बताया, मैं जैसे ही खुद को थोड़ा सा भी दोहराता हूं तो मुझे अचानक व्याकुलता होने लगती है। अगर आप किसी अनजानी चीज की ओर कदम बढ़ाते हैं तो आप खुद को जज नहीं कर सकते क्योंकि आप वास्तव में नहीं जानते कि आप क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां तक कि मैं अपनी आवाज के साथ भी एक ही तरह की चीज नहीं कर पाता। इसलिए मैं अपने सामान्य लहजे में कुछ नहीं करता क्योंकि उससे मुझे काम यह नहीं लगता कि मैं कुछ कर रहा हूं। पैटिंसन ने यह भी कहा कि उन्हें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित किरदार निभाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

नुसरत भरूचा को लेकर फिल्म बनायेंगे सलमान खान!

मुंबई । बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान, नुसरत भरूचा को लेकर फिल्म बना सकते हैं। सलमान खान को फिल्म इंडस्ट्री में गॉडफादर माना जाता है। सलमान अपनी फिल्मों में नये सितारों को लांच करते हैं। सलमान के प्रोडक्शन हाउस में बनी नोटबुक फिल्म रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से वह मोहनीष बहल की बेटी प्रनूतन बहल और जहीर इकबाल को लॉन्च करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सलमान खान अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत एक और फिल्म बनाने जा रहे हैं जिसमें सोनू के टीटू की स्वीटी फेम नुसरत भरूचा काम करेंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी लव स्टोरी पर आधारित होगी जो स्मॉल टाउन में होनी वाली शादी के ईर्दगिर्द घूमेगी। इसके डायलॉग राज शांडिल्य लिखेंगे। फिल्म अभी कास्टिंग स्टेज पर है। फिल्म की कास्टिंग पूरी होने के बाद अगले कुछ महीने में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

हॉरर फिल्में पसंद करती है सान्या मल्होत्रा

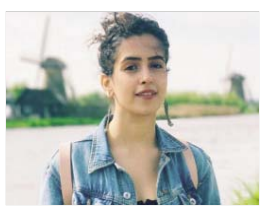

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा का कहना है कि उन्हें हॉरर फिल्में देखना बेहद पसंद है। दंगल गर्ल सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म 'फोटोग्राफ' को लेकर चर्चा में है। फिल्म में उनके अभिनय की काफी तारीफें हो रही हैं। इससे पहले उनकी फिल्म 'बधाई हो' रिलीज हुई थी। यह फिल्म सुपरहिट रही। इस फिल्म में भी उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। सान्या ने बताया है कि उनको हॉरर फिल्में काफी पसंद है। फिल्म फोटोग्राफ के निर्देशक रितेश बत्रा ने मजाक करते हुए कहा कि सान्या से तो भूत भी डरते हैं। मूल रूप से दिल्ली में पली-बढ़ी सान्या असल जिन्दगी में पंजाबी परिवार से तालुख रखती है और फिल्म 'फोटोग्राफ' में उन्होंने गुजराती लड़की का किरदार निभाया है। पिछले दिनों सान्या ने अपनी फेसबुक पोस्ट में बताया था कि वह एक डांसर बनना चाहती थीं लेकिन डांसर बनते-बनते वह एक्टर बन गयी। सान्या ने पोस्ट में लिखा था, 'मैं ऐसी बच्ची थी जो हर शादी में डांस करती थी। मेरे माता-पिता मुझे हर शादी में ले जाते थे ताकि मैं दिल खोलकर डांस कर सकूं।'

साइना नेहवाल का किरदार निभायेगी परिणीति

मुंबई ।

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा सिल्वर स्क्रीन पर बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल का किरदार निभाती नजर आ सकती है। बॉलीवुड में इन दिनों बायोपिक फिल्मों का चलन जोरों पर है। इसी लिस्ट में बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल का नाम भी शामिल है। फिल्म की कास्ट पर विचार विमर्श काफी समय से चल रहा है। पहले चर्चा थी कि श्रद्धा कपूर फिल्म में साइना का रोल प्ले करती नजर आएंगी लेकिन अब कहा जा रहा है कि उनकी जगह परिणीति चोपड़ा ये रोल निभाएंगी। बताया जा रहा है कि श्रद्धा ने बाकी फिल्मों में व्यस्तता के कारण इस फिल्म में काम ना करने का निर्णय लिया है। उनके पास पहले से ही काफी फिल्में हो गई हैं। ऐसे में साइना की बायोपिक के लिए श्रद्धा समय नहीं निकाल पा रही हैं। फिल्म में साइना का रोल प्ले करने के लिए परिणीति चोपड़ा ने रुचि दिखाई है। उन्हें फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। फिलहाल उन्होंने रोल में ढलने के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ट्रेनिंग खत्म होने के बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की जाएगी। फिल्म निर्माता भूषण कुमार ने बताया, हम साइना की शूटिंग को साल 2019 के अंत तक खत्म करना चाहते हैं ताकि फिल्म को 2020 की शुरुआत में ही रिलीज किया जा सके। हमें खुशी हकि परिणीति इस फिल्म में काम करने के लिए तैयार हुईं। कि परिणीति इस फिल्म में काम करने के लिए तैयार हुईं। साइना ने देश का मान बढ़ाया है। उनकी लाइफ को दुनिया के सामने लाने के लिए हम बेहद उत्साहित हैं।

प्रियंका चोपड़ा दुनिया की पॉवरफुल महिलाओं की लिस्ट में एकलौता नाम, देश कर रहा सलाम

नई दिल्ली।

कुछ ही दिन पहले प्रियंका के पति नक जोनास दुनिया के सिंगर्स में पहले स्थान पर थे, तो वहीं अब प्रियंका की सफलता बता रही है कि यह जोड़ी एक दूसरे के लिए काफी लकी साबित हो रही है. प्रियंका अब दुनिया में एंटरटेनमेंट सेक्टर की 50 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में अपना सिक्का जमा चुकी हैं. जी हां! ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस यूएसए टुडे की मनोरंजन जगत की 50 सबसे शक्तिशाली महिलाओ की सूची में शामिल हो गई हैं. प्रियंका ने ओपरा विन्फ्रे और मेरिल स्ट्रीप समेत अन्य अंतराष्ट्रीय हस्तियों के साथ इस सूची में जगह बनाई है. इस सूची का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहीं प्रियंका ने एक बयान में कहा, मैं इन अद्भुत महिलाओं के साथ इस मंच को साझा करने पर सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं जिन्होंने हर चुनौती को पीछे छोड़कर अपना एक खास मुकाम बनाया और आज अपने चुने हुए करियर के शीर्ष पर खड़ी हैं. यह एक उपलब्धि की भावना है. प्रियंका ने अमेरिकी टेलीविजन ड्रामा श्रंखला क्वांटिको में एलेक्स पैरिश की भूमिका निभाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की. उन्होंने एक्शन-कॉमेडी बेवॉच से 2017 में हॉलीवुड में डेब्यू किया था. इस सूची में गायिका बेयॉन्से, टेलीविजन स्टार एलेन डीजेनेरस, ऑस्कर विजेता जेनिफर लॉरेंस और अंतर्राष्ट्रीय पॉप गायिका जेनिफर लोपेज भी शामिल हैं. बता दें कि प्रियंका जल्द ही बॉलीवुड की फिल्म स्काई इज पिंक में नजर आने वाली हैं. पिछले दिनों वह अपने पति के साथ उनके सिंगल सकर में नजर आईं थी. इस गाने को पूरी दुनिया में काफी पसंद किया गया.

जाह्नवी कपूर का बड़ा खुलासा, करियर को लेकर बोलीं- मुझे पॉपुलरिटी से ज्यादा...

नई दिल्ली।

बीते साल सुपरहिट फिल्म धड़क से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने करियर को लेकर काफी सिंसियर नजर आ रही हैं. ऐसे में जब भी उनके करियर को लेकर बात की जाती है वह एक नया ही कॉन्सेप्ट लेकर सामने आती हैं. एक बार फिर जाह्नवी कपूर ने यह साफ कर दिया है कि उनका फोकस कितना क्लियर है. जाह्नवी का कहना है कि उनके लिए लोकप्रियता से ज्यादा फिल्में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वह लोकप्रियता का अनुभव बचपन से करती रही हैं. जाह्नवी ने यहां रविवार को हेलो! हॉल ऑफ फेम अवाड्र्स 2019 के दौरान मीडिया से कहा, मैं लोकप्रियता का अनुभव बचपन से करती रही हूं, इसलिए अब मेरे लिए लोकप्रिय होने से ज्यादा काम, अभिनय और फिल्में महत्वपूर्ण हैं. पिछले दिनों जन्मदिन के मौके पर जाह्नवी बनारस के घाटों पर अपने पिता के साथ नजर आई थी, क्योंकि उनके जन्मदिन के चंद दिन पहले ही उनकी मां और बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की पहली पुण्यतिथी होती है. आपको दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी ने पिछले साल फिल्म धड़क से बॉलीवुड में अपनी पारी की शुरुआत की थी. वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी फिलहाल भारतीय वायुसेना की महिला लड़ाकू पायलट गुंजन सक्सेना की बायोपिक पर काम कर रही हैं, जिन्होंने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में हिस्सा लिया था. इस फिल्म में जाह्नवी का अलग ही लुक नजर आने वाला है. फिल्म की टीम ने जाह्नवी के फर्स्ट लुक को कई दिन पहले ही जारी कर दिया था. इस फिल्म में जाह्नवी के साथ शानदार अभिनेता पंकज त्रिपाठी भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हैं. पंकज जाह्नवी के पिता की भूमिका निभा रहे हैं. बीते दिनों में पंकज ने जाह्नवी की काफी तारीफ भी की थी.

तनुश्री दत्ता 10 साल पहले अचानक हुई थीं गायब, मीटू मूवमेंट से बॉलीवुड में मचाया हड़कंप

नई दिल्ली । बॉलीवुड की बोल्ड और डस्की ब्यूटीज में से एक रहीं तनुश्री दत्ता दस साल पहले अचानक से इंडस्ट्री को अलविदा कहकर विदेश में बस गईं. लेकिन साल 2018 में तनुश्री वापस इंडिया आईं और एक इंटरव्यू के दौरान तनुश्री ने अपने शोषण की कहानी का सच बताकर सनसनी फैला दी. भारत में मीटू कैंपेन की शुरुआत करने का शेयर तनुश्री को जाता है. देश की महिलाओं के लिए बीच मजबूत और पावरफुल महिला बनकर छाने वाली तनुश्री आज अपना 35वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. मिस इंडिया कॉन्टेस्ट जीतने के बाद तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंका दिया था. तनुश्री का बोल्ड और बिंदास अंदाज हर किसी की जुबान पर चढ़कर बोला. 2004 में मिस इंडिया यूनिवर्स बनकर सुर्खियों में छाई तनुश्री को जल्द ही बॉलीवुड में काम मिल गया. इमरान हाशमी के साथ आई तनुश्री की फिल्म आशिक बनाया आपने ने फैंस के बीच अपनी जगह बनाई लेकिन 2009 के बाद अचानक ही तनुश्री ने बॉलीवुड से विदा ले ली. वह आखिरी बार साल 2010 में फिल म अपार्टमेंट में नजर आईं. इसके बाद लाइमलाइट में तनुश्री की कोई खबर सामने नहीं आई लेकिन 2018 में तनुश्री की शोषण की कहानी ने कई बड़ राज खोलकर सामने रख दिए. तनुश्री ने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताते हुए कहा कि 10 साल पहले फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के एक गाने के दौरान दिग गज एक टर नाना पाटेकर ने उन्हें प्रताड़ित करने की कोशिश की थी. 2009 में उठे इस विवाद के बाद तनुश्री फिल मों से दूर हो गई थीं. तनुश्री ने एक एंटरटेनमेंट चैनल को दिए अपने इंटरव यू में कहा था कि हर कोई जानता है कि नाना पाटेकर महिलाओं के साथ कैसे अभद्रता का व्यवहार करता है. इंडस्ट्री का हर शख स इसके पीछे की कहानी जानता है कि उसने एक ट्रेसस को मारा है, उनका उत पीड़न किया है. महिलाओं के प्रति उसका व यवहार हमेशा से ही काफी क्रूर रहा है लेकिन कभी किसी मीडिया ने इसके बारे में नहीं दिखाया. तनुश्री के इस बयान के बाद कई महिला कलाकारों और मीडिया से जुड़ी लड़कियों ने अपनी आपबीती सुनकर इस मूवमेंट को आगे बढ़ाया. तनुश्री के इस सराहनीय कदम को 16 फरवरी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2019 हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और हार्वर्ड केनेडी स्कूल के स्नातक छात्रों द्वारा आयोजित एक फ्लैगशिप में सम्मानित किया गया. फिलहाल तनुश्री वापस अमेरिका चली गई हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी नए पोस्टर के साथ सामने आई नई रिलीज डेटकम हुआ बायोपिक का इंतजार

नई दिल्ली।

इन दिनों लगातार लोगों के मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक को लेकर उत्सुकता बनी हुई है. कल फिल्ममेकर्स ने फिल्म से मोदी के पूरे जीवन को 9 तस्वीरों के जरिए सामने रखा था, तो वहीं आज फिल्म का दूसरा पोस्टर सामने आ चुका है. लेकिन फिल्म का इंतजार करने वालों के लिए इससे भी बड़ी खुशखबरी यह है कि इस फिल्म का इंतजार अब कुछ कम करना होगा. जी हां! दूसरा पोस्टर रिलीज करते हुए ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खुलासा किया है कि अब पीएम नरेंद्र मोदी को पिछली तय रिलीज डेट से एक सप्ताह पहले ही रिलीज करने का फैसला लिया है. यानी फिल्म जहां 12 अप्रैल को रिलीज की जानी थी अब इसे 5 अप्रैल को ही रिलीज कर दिया जाएगा. वहीं हम इस नए पोस्टर को लेकर बात करें तो इसमें देश का भविष्य यानी बच्चों के बीच हाथ जोड़े हुए प्रधानमंत्री नजर आ रहे हैं. जहां पिछले पोस्टर में एक्टर विवेक ओबेरॉय का लुक पीएम मोदी से कम ही मिल रहा था, वहीं इस पोस्टर में वह पूरी तरह से अपने किरदार में रचे बसे नजर आ रहे हैं. देखिए यह पोस्टर... इस पोस्टर की सबसे खास बात जो नजर आ रही है वह है इसमें दिखने वाला भारत की शान तिरंगा के तीन रंग. जिसमें दो कतारों में खड़े बच्चे केसरिया और हरे रंग में नजर आ रहे हैं वहीं बीच में सफेद कुर्ते में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मुस्कान के साथ दिख रहे हैं. गौरतलब है कि इस पोस्टर को सोमवार यानी 18 मार्च को अमित शाह रिलीज करने वाले थे, लेकिन अचानक गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के निधन के बाद यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था. इस फिल्म में अमित शाह की भूमिका अभिनेता मनोज जोशी निभा रहे हैं. फिल्म में दर्शन कुमार, बोमन ईरानी, प्रशांत नारायणन, जरीना वहाब, बरखा बिष्ट सेनगुप्ता, अंजन श्रीवास्तव, यतीन कार्येकर, राजेंद्र गुप्ता और अक्षत आर सलूजा मुख्य भूमिकाओं में हैं. सुरेश ओबेराय, आनंद पंडित और आचार्य मनीष भी फिल्म के निर्माताओं में हैं।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट सूरत द्वारा होली स्नेहमिलन का हुआ आयोजन

सूरत। 21-03-2019 को अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराज अग्रसेन भवन प्रांगण में होली के अवसर पर प्रात: 10 बजे से स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को पूर्णतया सात्विक एवं पर्यावण फ्रेन्डली होवे, इस उद्देश्य से ट्रस्ट प्रबंधन द्वारा फूलों की होली खेलने का निर्णय किया गया था। किसी भी प्रकार के कलर या केमिकल पूर्मतया प्रतिबंधित थे। साथ ही राजस्थान से बुलाए गये सांस्कृतिक मंडली द्वारा पारंपरिक गान एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए। जिससे हजारों की संख्या में उपस्थित जनमानस आत्मविभोर एवं थिरकते हुए नजर आए। कार्यक्रम स्थल पर फूल, जलपान एवं ठंडाई की उत्तम व्यवस्था की गई थी।

शाह के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह

उम्मीदवार घोषित होने के बाद शाह २८ को पहुंचेंगे

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव को लेकर गतिविधि दिन प्रतिदिन और अधिक तेज हो रही है। लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने गांधीनगर की सीट पर से पक्ष प्रमुख अमित शाह को मेदान में उतारने का फैसला किया है। इस संबंध में सूचि जारी होने के बाद बीजेपी के कार्यकरो में अभूतपूर्व उत्साह दिख रहा है। दुसरी ओर गांधीनगर सीट पर से अमित शाह को चुनाव मेदान में उतारने के फैसले के बाद अब अमित शाह २८ मार्च के दिन गुजरात पहुंच रहे है। गांधीनगर सीट पर से उम्मीदवार घोषित होने के बाद अमित शाह का यह गुजरात का पहला दौरा है। दुसरी ओर गांधीनगर सीट पर से अमित शाह को चुनाव मेदान में उतारने के निर्णय से क्षेत्रिय नेताओ और स्थानिय कार्यकरो में उत्साह दिख रहा है। अमित शाह के स्वागत के लिए पार्टी कार्यकरो में भी तैयारीया चल रही है। २३ अप्रैल के दिन गुजरात में एक चरण में मतदान होना है । लालकृष्ण आडवानी के स्थान पर अमित शाह को टिकट दिया गया है। राजनीति के साथ जुड़े हुए लोगों ने बताया है कि अमित शाह २८ मार्च के दिन गुजरात पहुंच रहे है । अमित शाह के अलग अलग कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना है । भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है। चुनाव काउन्टडाउन के बीच अमित शाह की जीत निश्चित दिख रही है। बीज `पी के लिए गांधीनगर सीट मजबूत गढ के समान रही है। इस सीट पर बीजेपी की ओर से लालकृष्ण आडवानी लगातार चुनाव जीतते रहे है। इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवारो को साल १९८९ के बाद से कभी भी जीत हांसिल नहीं हुई है।

कांग्रेस और पाकिस्तान की भाषा एक समान

कांग्रेस नेता साम पित्रोडा का बयान दुर्भाग्यपूर्ण हैं : पंड्या

अहमदाबाद । गुजरात बीज `पी प्रदेश प्रवक्ता भरत पंड्या ने आज बताया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता साम पित्रोडा का बयान देश के लिए आघातजनक है। भरत पंड्या ने साम पित्रोडा के बयान के बाद आज प्रतिक्रिया दी। पंड्या ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं के बयान देश के लिए शर्मजनक होने के साथ साथ आघातजनक भी है । हमले तो होते रहते है। पुलवामा हमले के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार नहीं है इस तरह है साम पित्रोडा के बयान के बाद बीजेपी ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भरत पंड्या ने आज कहा कि साम पित्रोडा राहुल गांधी की थीन्कटेन्क के समान है । विदेश में भी उनके कार्यक्रमों का आयोजन पित्रोडा ही करते रहे है । उनका इस प्रकार का बयान देश विरोधी और कांग्रेस के विचारो की अभिभूती है। पंड्या ने कहा कि दुनिया के देश पुलवामा हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार गिन रहे है तब देश के ही लोग पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं गिन रहै है । पाकिस्तान की ही भाषा का उपयोग कांग्रेस पार्टी करती रही है। कांग्रेस और पाकिस्तान की भाषा एकसमान लगती है। देश के जवान पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक करते है तब कांग्रेस यहा कोमा में होने की स्थिति में दिखाई देती है। कांग्रेस पार्टी पर प्रहार करते हुए भरत पंड्या ने कहा कि हमे जवानों पर गर्व होता है। दुसरी और कांग्रेस पार्टी में ऐसे माहोल में उदासीनता का माहोल दिखता है । कांग्रेस और बीज `पी में यही बडा अंतर है। भरत पंड्या ने यह भी बताया की सर्जि कल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के समय सबूत मांगने वाले कांग्रेस के लोग देश के जवानो का अपमान कर रहे है। कांग्रेस के नेताओं के बयान पाकिस्तान के नेताओं और पाकिस्तानी मीडिया में हेडलाइन की तरह छप रहे है। कांग्रेस पार्टी के विचार, बयान, भाषा देश हित में नहीं है।

देश के लिए यह आघातजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि कांग्रेस के कुछ नेता इस तरह के बयान देकर पाकिस्तान की स्थिति मज बूत कर रहे है।

सोमवार से शुक्रवार तक सर्टिफिकेट दिया जाएगा

अमरनाथ जाने वालों को अब लेना होगा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

श्राद्धालुओं के लिए न्यू सिविल अस्पताल के हिमोफिलिया डे केयर सेंटर में फिटनेस सर्टिफिकेट देने की व्यवस्था

(संपूर्ण समाचार सेवा)

अहमदाबाद, २२ मार्च।

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए न्यू सिविल अस्पताल के हिमोफिलिया डे केयर सेंटर में फिटनेस सर्टिफिकेट देने की व्यवस्था की गई है। सोमवार से शुक्रवार तक सुबह नौ से बारह बजे तक सर्टिफिकेट दिया जाएगा। १३ साल से कम तथा ७५ साल से अधिक उम्र के लोगों को सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। अमरनाथ धा के दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं को आसानी से स्वास्थ्य प्रमाण पत्र मिल सके, राज्य परिवार एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसकी व्यवस्था की गई है। न्यू सिविल अस्पताल में शुक्रवार से श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य प्रमाण पत्र देने का कार्य शुरू कर दिया गया है। पहले दिन करीब पचास श्रद्धालुओं ने सर्टिफिकेट लिए। आरएमजी डॉ. केतन नायक ने बताया कि जिला पंचायत के दो मेडिकल ऑफिसर की सर्टिफिकेट देने के लिए स्पेशल ड्यूटी लगाई गई है। हिमोफेलिया डे केयर सेंटर में मेडिकल ऑफिसर सुबह दस से दोपहर एक बजे तक श्रद्धालुओं को सर्टिफिकेट देने के लिए ज रूरी जांच करेंगे। श्रद्धालुओं की प्राथमिक जांच स्थल पर ही हो जाती है। सेंटर में इसीजी मशीन उपलब्ध करवा दी गई है। ४५ साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए जरूरी लगा तो मेडिसिन विभाग में आगे की जांच के लिए भेजा जाएगा। चिकित्सकों द्वारा फिट घोषित किए जाने के बाद श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य प्रमाणपत्र दे दिया जाता है। चिकित्सकों ने बताया कि पिछले साल स्वास्थ्य प्रमाण पत्र लेने वालो की संख्या चार हजार तथा २०१७ में पांच हजार से ज्यादा थी। उल्लेखनिय है कि अमरनाथ धाम के दर्शन के लिए हर साल देश से करीब दस लाख श्रद्धालु जाते हैं। इनमें गुज रात के साढ़े चार से पांच लाख श्रद्धालु शामिल होते है।

इनको नहीं मिलेगा सर्टिफिकेट

अहमदाबाद। सरकार द्वारा जारी नए निर्देश के मुताबिक तेरह साल से कम तथा ७५ साल से अधिक उम्र के श्रद्धालुओं को सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं, बायपास सर्जरी करवाने वालों, हृदय में स्टैंड डलवाने वालों समेत कुछ खास बीमारी के मरीजों को सर्टिफिकेट नहीं देने के निर्देश दिए गए हैं। सर्टिफिकेट लेने आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की यूरीन जांच अनिवार्य की गई है। ४५ साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए इसीजी रिपोर्ट तथा जरूरत के मुताबिक दूसरी जांच कराना जरुरी होगा।

गुजरात लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालेंगे

पहली बार वोट डालेंगे ७०० से ज्यादा ट्रांसजेंडर वोटर्स

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली सीरत शर्मिला आने वाले लोकसभा चुनाव में अपना पहला वोट डालेंगी। वह राज्य के उन ७६९ थर्ड जेंडर वोटरों में शामिल हैं जो पहली बार दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनाव में हिस्सा लेंगी। गुजरात में इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनज र कुल १०५४ ट्रांसजेंडर वोटर दर्ज हैं। गौरतलब है कि गुजरात में कुल ४.४७ करोड़ मतदाता हैं जिनमें पुरुषों की संख्या २.३३ करोड़ और महिलाओं की संख्या २.१४ करोड़ है। कुल १०५४ ट्रांसजेंडर वोटर्स में से ७६९ ऐसे वोटर्स हैं जो पहली बार मतदान में हिस्सा लेंगे। राज्य के अहमदाबाद में थर्ड जेंडर वोटरों की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां कुल १३९ ट्रांसजेंडर वोटर रजिस्टर्ड हैं। अहमदाबाद के बाद आणंद में १२२, वड़ोदरा में ११९ और सूरत में १११ थर्ड जेंडर वोटर रजिस्टर्ड किए गए हैं। साल २०११ की जनगणना के मुताबिक गुजरात में ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के लोगों की संख्या ११५४४ दर्ज की गई थी लेकिन इनमें से केवल १०५४ लोग मतदाता के रूप में रजिस्टर्ड हैं। बता दें कि साल २०१२ से भारतीय चुनाव आयोग ने ट्रांसज `डर्स के लिए थर्ड जेंडर का विकल्प क्रिएट किया था। इससे पहले इन्हें पुरुषों या महिलाओं में से किसी एक कैटिगरी में अपने आपको रखना होता था। आगामी लोकसभा चुनावों नें अपना पहलो वोट डालने जाने वाली सीरत का साल २०१८ में निर्वाचन कार्ड बनाया गया था। सीरत पहली बार अपनी असल पहचान के साथ वोट डालने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह कहती हैं कि जब आपको लगातार आपकी सेक्शुअलिटी की वजह से नीचा दिखाया जाता हो तब ऐसे समय में दुनिया का सामना करना आसान काम नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बदलते वक्त में ट्रांसजेंडर कम्युनिटी को अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की जरूरत है। गौरतलब है कि १७वीं लोकसभा के लिए गुजरात में २३ अप्रैल को तीसरे चरण में मतदान होना है। मुख्य चुनाव अधिकारी एस मुरलीकृष्णा लगातार मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करने में लगे हैं। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इनकी संख्या और बढ़ेगी। मुरली कृष्णा ने बताया कि राज्य में २२ मार्च तक वोटर आईडी रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन के बाद १० दिनों के भीतर ही वोटर आईडी कार्ड दे दिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव में ३० साल बाद बिना आडवाणी के उतरेगी बीजेपी

गांधीनगर । गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट से लालकृष्ण आडवाणी के न उतरने के साथ ही उनकी चुनावी राज नीति का अंत हो गया है। यह बीजेपी का भी बीते ३० सालों में ऐसा पहला चुनाव होगा, जब वह लालकृष्ण आडवाणी के बिना मैदान में उतरेगी। पार्टी के पितामह कहे जाने वाले आडवाणी की छत्रछाया से मुक्त होकर चुनाव लड़ना एक तरह से बीज `पी में पीढ़ीगत बदलाव पर आखिरी मुहर है। राम मंदिर आंदोलन से बीजेपी को शून्य से शिखर तक ले जाने वाले आडवाणी ने १९८९ में पहला लोकसभा चुनाव नई दिल्ली से लड़ा था और जीते भी। इसके बाद उन्होंने १९९१ में गांधीनगर का रुख किया और वहां से संसद पहुंचे । राजनीतिक शुचिता की मिसाल देते हुए जैन डायरी में नाम आने पर आडवाणी ने १९९६ में गांधीनगर सीट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद १९९८ में क्लीन चिट मिलने पर ही वह मैदान में उतरे । इसके बाद वह १९९९, २००४, २००९ और २०१४ का चुनाव यहीं से ज ीतते रहे । अब इस सीट पर उनकी जगह अमित शाह लेंगे, जिन्होंने अपने शुरुआती दिनों में इस सीट पर चुनाव प्रबंधन का काम भी संभाला था । महज १४ साल की उम्र में अविभाजित भारत में आरएसएस से जुड़े आडवाणी को जनसंघ की स्थापना के बाद आरएसएस ने राजनीतिक क्षेत्र में भेजा था। श्याम सुंदर भंडारी के निजी सचिव के तौर पर राजनीति से जुड़ने वाले आडवाणी फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। १९५७ में पार्टी के संसदीय मामलों की जिम्मेदारी मिलने के बाद दिल्ली आने वाले आडवाणी तब से ही केंद्र की राजनीति के स्तंभ रहे। १९८० में गठित बीजेपी के वह दूसरे अध्यक्ष थे, जिन्हें अटल बिहारी वाजपेयी के बाद १९८६ में जिम्मेदारी मिली थी। यूं तो वह १९७० से ही संसद का हिस्सा थे, लेकिन लोकसभा में वह १९८९ में नई दिल्ली से जीतकर पहुंचे थे। इससे पहले वह ४ बार राज्यसभा सांसद रहे थे। ऐसे में १९७० से संसदीय राजनीति का हिस्सा रहे लालकृष्ण आडवाणी का चुनावी राजनीति से बाहर होना बीजेपी में एक युग का पटाक्षेप होने जैसा है। १९९८ से २००४ तक वाजपेयी सरकार में उपप्रधानमंत्री रहे आडवाणी २००९ में पीएम उम्मीदवार भी रहे थे, लेकिन २०१४ में नरेंद्र मोदी को पीएम कैंडिडेट बनाया गया। तब ८६ वर्ष के रहे आडवाणी के लिए पहला मौका था, जब वह बीजेपी में ड्राइविंग सीट पर नहीं थे। उसके बाद उन्हें मार्गदर्शक मंडल में भेजा गया और अब वह चुनावी राजनीति से ही बाहर हैं। साफ है कि यह आडवाणी की सक्रिया राज नीति का भी अंत है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**